‘ भावनगर.....एक एतिहासिक परिचय ’

भारतीय रेल के इतिहास में भावनगर मंडल एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है. बड़ौदा और हैदराबाद के बाद भावनगर देश का ऐसा तीसरा रजवाडा था, जिसने स्वयं अपनी निजी धनसंपदा से रेलवे लाइन बिछाई थी. सौराष्ट्र में रेलवे नेटवर्क बनाने में भावनगर सबसे पहला तथा गोंडल दूसरा रजवाडा था.

दिसंबर 1880 में भावनगर टर्मिनस से वढवाण सिटी तक की लाइन के शुभारंभ के साथ इस क्षेत्र में रेलवे युग का प्रारंभ हुआ. भावनगर के महाराजा सर तख्तसिंह जी की उपस्थिति में मुंबई के तत्कालीन गर्वनर सर जेम्स फर्ग्युसन ने इस लाइन का शुभारंभ किया. पहली गाडी भावनगर से लिंबडी तक चलाई गई थी. जिसमें गर्वनर तथा सम्माननीय अतिथिओं ने यात्रा की थी. यह गाडी उसी शाम को समय पर महाराजा के निलमबाग महल पर लौट आई. जहां अतिथिओं के लिए भव्य शाही भोज का आयोजन किया गया था.

इसके बाद धोला से धोराजी तक की लाइन को बिछाने का कार्य भी पूरा कर दिया गया था. भावनगर तथा गोंडल रजवाड़े ने लाइन बिछाने की लागतका वहन किया था.

भावनगर से वढवाण रेलवे लाइन बिछाने का कार्य, जिसका अंग्रेजों द्वारा प्रारंभ में विरोध किया गया था, वर्ष 1877 में पड़े अकाल के कारण, अकाल सहायता के रूप में पहले कर दिया गया. अन्य रजवाड़ों ने उनके महत्वपूर्ण नगरों को जोड़ने के लिए रेलवे लाइन बिछाई गई थी. ये रजवाड़ें जूनागढ़, पोरबंदर, मोरबी एवं जामनगर थे.

आज़ादी के बाद सभी रजवाड़ों का एकीकरण किया गया. भारतीय संघ में सम्मिलित होने के लिए भावनगर सबसेपहला रजवाड़ा था. एकीकरण के पश्चात इन रेलों का स्वामित्व तत्कालीन सौराष्ट्र राज्य सरकार को प्राप्त हुआ और तब ये रेलें सौराष्ट्र रेलवेज़के नाम से चलायी जाने लगी. बाद में इन रेलों को भारत सरकार ने संभाल लिया और सन् 1952 के प्रारंभ में किये गये रेलों के पुनर्गठन के समय इन्हें पश्चिम रेलवे में शामिल कर लिया गया. भावनगर मंडल की विधिवत् स्थापना दिनांक 15 अगस्त, 1956 को हुई.

भौगोलिक फैलाव

भावनगर मंडल गुजरात राज्य के सौराष्ट्र के दक्षिणी क्षेत्र, जिसमें भावनगर, अमरेली, जूनागढ़ और पोरबंदर जिलों एवं अहमदाबाद, सुरेंद्रनगर, राजकोट और जामनगर जिलों के कुछ हिस्सों में कार्य करता है. मंडल का कुल रूट किलोमीटर 1327.15 है, जिसमें 756.43 किलोमीटर बड़ी लाइन और 570.72 किलोमीटर मीटर लाइन शामिल हैं. इस क्षेत्र में भूमि का सबसे अधिक भाग लहरदार कम ऊची पर्वत श्रेणियों में है. गुजरात में गिरनार शिखर की ऊंचाई सबसे ज्यादा 1117 मीटर है।

सेवा के क्षेत्र

भावनगर मंडल गुजरात के भावनगर, सुरेंद्रनगर, अहमदाबाद, राजकोट, जामनगर, अमरेली, जूनागढ़ और पोरबंदर जिलों में सेवा प्रदान कर रहा हैं. विश्व प्रसिद्ध गिर अभयारण्य इस मंडल पर स्थित है।